Roll No. .....

R
563

Annual Examination, 2016

B. A. III

संस्कृत साहित्य

Paper II

[काव्य, अलंकार तथा निबन्ध]

TIME —3 Hours) (M. M. — 75

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

इकाई—I

1. किन्हीं **दो** पद्यों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— **20**

(i) श्रियः कुरुणामधिपस्य पालनीं

प्रजासु वृत्तिं यमयुङ्क्त वेदितुम्

स वर्णिलिङ्गी विदितः समाययौ

युधिष्ठिरं द्वैतवने वनेचरः

P. T. O.

(ii) निसर्ग दुर्बोधम बोधविक्लवा:

क्व भूपवीनां चरितं क्व जन्तव:।

नवानुभावोऽयमवेदि यन्मया

निगूढ तत्त्वं नयवर्त्म विद्विषाम्।।

(iii) निरत्ययं साम न दान वर्जितं

न भूरिदानं विरहय्य सत्क्रियाम्।

प्रवर्तते तस्य विशेषशालिनी

गुणानुरोधेन बिना न सत्क्रिया।।

(iv) प्रलीन भूपालमपि स्थिरायति,

प्रशासदावारिधि मण्डलं भुव:।

स चिन्तयत्येव भियस्त्वदेष्यती

रहो दुरन्ता बलवद्विरोधिता।।

इकाई—II

2. 'भारवेरर्थगौरवम्' इस उक्ति को उदाहरणपूर्वक सिद्ध कीजिए। **10**

अथवा

वनेचर के कथन का सार अपने शब्दों में लिखिए।

इकाई—III

3. निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** पद्यों का प्रसंग निर्देशपूर्वक अर्थ लिखिए— **15**

(i) महोरस्को महेष्वासो मूढ़जत्रुरन्दिम्।

आजानु बाहु: सुशिस: सुललाट: सुविक्रम:।।

(ii) विष्णुना सदृशो वीर्ये सोमवतप्रियदर्शन:।

कालाग्नि सदृश: क्रोधे क्षमया पृथिवी सम:।।

(iii) गृध्रं न निहितं दृष्टवाहतां श्रुत्वा च मैथिलीम्।

राघव: शोक सन्तप्तो विललापाकुलेन्द्रिय:।।

(iv) ततो दग्ध्वापुरी लङ्कामृते सीतां च मैथिलीम्।

रामाय प्रियमाख्यातुं पुनरायान्महाकवि:।।

(v) दर्शयामास चात्मानं समुद्र: सरितापति:।

समुद्रवचनाच्चैव नलं सेतुमकास्यत्।।

अथवा

मूल रामायण के आधार पर राम के चारित्रिक गुणों को लिखिए।

इकाई—IV

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** अलंकारों के लक्षण उदाहरणपूर्वक लिखिए— **15**

(i) रूपक,

(ii) विभावना,

(iii) अपह्नुति,

(iv) यमक,

(v) प्रतिवस्तूपमा,

(vi) भ्रान्तिमान,

(vii) अनुप्रास।

इकाई—V

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय का संस्कृत में 15 वाक्यों का निबन्ध लिखिए— **15**

(i) प्रभातवर्णनम्,

(ii) संस्कृत नाम दैवीवाक्।

(iii) परोपकाराय सतां विभूतयः।

(iv) महाकवि कालिदासः।

(v) मम प्रिय पुस्तकम्।

(vi) संसर्गजा दोष गुणा भवन्ति।

×××××× b ×××××××